

Padma Shri



PANDIT OMPRAKASH SHARMA

Pandit Omprakash Sharma is a writer, director and music composer of Maach plays of "Ustad Kaluram Maach Akhada", a renowned tradition of the legacy of folk play Maach in the city of Ujjain. Maach is folk dance drama of Malwa region in Madhya Pradesh. These Maach plays popularly known as khel have been revived and preserved by Pandit Sharma through his creative writings, musical compositions and performances.

2. Born on 1st January, 1938 in Ujjain, Madhya Pradesh, Pandit Sharma is carrying forward the rich legacy of his grandfather, the renowned Maach guru Ustad Kaluramji Pandit Sharma's creative genius is reflected through his music. Blessed by the unique gift of classical singing and music creation, Shri Sharma received the training of classical music at very tender age from his father Late Shaligram ji Sharma. He has contributed significantly to films, folk theatre and classical music and has been involved in reviving the tradition of folk drama Maach through his creative writings, performances and workshops. He has been conducting workshops on Maach at renowned centers of art like National School of Drama, New Delhi, Sangeet Natak Academy, New Delhi, Bharat Bhavan, Bhopal. He has been instrumental in inspiring thousands of young talents in the field of folk drama. Pandit Sharma has been equally instrumental in promoting Sanskrit Theatre through translation and music composition.

3. Pandit Sharma prepared musical notations of Rangats of 85 Maach plays, which have been preserved in Adiwasi Lok Kala Parishad, Bhopal. He has translated Sanskrit dramas into Hindi films. His association with legendary musicians, composers like B.V. Karant, Dr. Premlata Sharma, Dr. Tripathi, Professor Shrinivas Rath, M.K. Raina, Braj Mohan Shah, Bansi Kaul and Dr. Prabhat Kumar Bhattacharya has earned him prestigious national and state awards. Pandit Sharma's flawless service to Sanskrit theatre, regional theatre, classical music has earned him reputation of Ustad or maestro in his field.

4. Pandit Sharma was honoured with Sangeet Natak Academy Award by the Government of India in 2006-07. The State Government of Madhya Pradesh has felicitated him with the prestigious Shikhar Samman in 2009-10 and Rastriya Tulsi Samman in 2018.

पद्म श्री



पंडित ओमप्रकाश शर्मा

पंडित ओम प्रकाश शर्मा, उज्जैन शहर में लोक नाटक माच की विरासत की एक प्रसिद्ध परंपरा "उस्ताद कालुराम माच अखाड़ा" के माच नाटकों के लेखक, निदेशक और संगीतकार हैं। माच मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र की लोक नृत्य-नाटिका है। पंडित शर्मा ने अपने रचनात्मक लेखन, संगीत रचनाओं और प्रस्तुतियों से खेल नाम से प्रसिद्ध इन माच नाटिकाओं को पुनर्जीवित और संरक्षित किया है।

2. पंडित शर्मा का जन्म 1 जनवरी, 1938 को उज्जैन, मध्य प्रदेश में हुआ। वह अपने पितामह, प्रसिद्ध माच गुरु उस्ताद कालुरामजी की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। पंडित शर्मा की रचनात्मक प्रतिभा उनके संगीत में परिलक्षित होती है। शास्त्रीय गायन और संगीत सृजन की नैसर्गिक प्रतिभा के साथ, श्री शर्मा ने अल्पायु में ही अपने पिता स्वर्गीय शालिग्राम जी शर्मा से शास्त्रीय संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने फिल्मों, लोक रंगमंच और शास्त्रीय संगीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और अपने रचनात्मक लेखन, प्रस्तुतियों और कार्यशालाओं के माध्यम से लोक नाटक माच की परंपरा को पुनर्जीवित कर रहे हैं। वे राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली, संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली, भारत भवन, भोपाल जैसे प्रसिद्ध कला केंद्रों में माच पर कार्यशालाएं आयोजित करते हैं। उन्होंने लोकनाटक के क्षेत्र में हजारों युवा प्रतिभाओं को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पंडित शर्मा अनुवाद और संगीत रचना के माध्यम से संस्कृत रंगमंच को बढ़ावा देने में भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

3. पंडित शर्मा ने 85 माच नाटकों के रंगतों के संगीत नोट तैयार किए, जिन्हें आदिवासी लोक कला परिषद, भोपाल में संरक्षित किया गया है। उन्होंने संस्कृत नाटकों का हिंदी फिल्मों में अनुवाद किया है। बी.वी. कारंत, डॉ. प्रेमलता शर्मा, डॉ. त्रिपाठी, प्रोफेसर श्रीनिवास रथ, एम.के. रैना, ब्रज मोहन शाह, बंसी कौल और डॉ. प्रभात कुमार भट्टाचार्य जैसे महान संगीतकारों के साथ उनके काम के लिए उन्हें प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। संस्कृत रंगमंच, क्षेत्रीय रंगमंच, शास्त्रीय संगीत के प्रति पंडित शर्मा की सेवा के लिए उन्हें उस्ताद का सम्मान दिया गया है।

4. भारत सरकार ने 2006-07 में पंडित शर्मा को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया था। मध्य प्रदेश राज्य सरकार ने उन्हें 2009-10 में प्रतिष्ठित शिखर सम्मान और 2018 में राष्ट्रीय तुलसी सम्मान से सम्मानित किया है।